

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : प्रियांश ने राहुल का रिकॉर्ड तोड़ा टी20 इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाया

इंदौर

दिल्ली के सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तमिलनाडु के खिलाफ ऐतिहासिक पारी खेलते हुए भारतीय बल्लेबाज के तौर पर टी20 क्रिकेट में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने भारतीय दिग्गज केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 68 गेंदों में 181 रन बनाए। उनकी इस पारी में सात चौके और 19 छक्के शामिल रहे। उन्होंने 266 के शानदार स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

इससे पहले किसी भारतीय बल्लेबाज का टी20 में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर केएल राहुल के नाम था। राहुल ने इसी साल अरुण जेटली स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते हुए 67 गेंदों में नाबाद 152 रन बनाए थे। यह आईपीएल इतिहास में किसी भारतीय बल्लेबाज का पहला 150 रन का स्कोर भी था।

प्रियांश अब टी20 क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे दक्षिण अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रिटोरियस हैं, जिन्होंने इस साल अक्टूबर में क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका की प्रो20 कप प्रतियोगिता में टाइटंस की ओर से नाइट्स के खिलाफ 79 गेंदों में नाबाद 188 रन बनाए थे। उनकी पारी में 15 चौके और 13 छक्के शामिल थे।

प्रिटोरियस ने वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल का 13 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा था। गेल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ 175 रन की नाबाद पारी खेली थी।

प्रियांश ने अपनी पारी में 19 छक्के लगाकर एक टी20 पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने के रिकॉर्ड की भी बराबरी की। न्यूजीलैंड के फिन एलन भी एक टी20 पारी में 19 छक्के लगा चुके हैं। उन्होंने पिछले साल जून में मेजर लीग क्रिकेट में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की ओर से वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 51 गेंदों में 151 रन बनाए थे। उनकी पारी में पांच चौके और 19 छक्के शामिल थे। प्रियांश की यह पारी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इतिहास में भी सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। उन्होंने तिलक वर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने नवंबर 2024 में हैदराबाद की ओर से मेघालय के खिलाफ 151 रन बनाए थे। मुकाबले में तमिलनाडु ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। प्रियांश की विस्फोटक पारी के दम पर दिल्ली ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 275 रन बनाए। टीम की ओर से दूसरा सर्वाधिक स्कोर अनुज रावत का रहा, जिन्होंने 22 गेंदों में एक चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 29 रन बनाए। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इतिहास में यह तीसरा सबसे बड़ा टीम स्कोर है। इससे पहले बड़ौदा ने 2024 में सिक्किम के खिलाफ पांच विकेट पर 349 रन और पंजाब ने 2025 में हैदराबाद के खिलाफ पांच विकेट पर 310 रन बनाए थे।

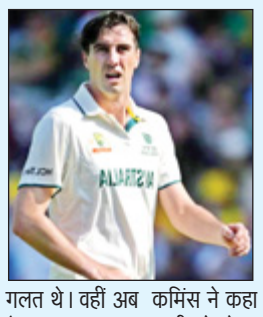
न्यूज ब्रीफ

विजय मर्चेंट ट्रॉफी के लिए दिल्ली की अंडर-16 टीम घोषित, पार्थ डबास को कप्तानी

नई दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने विजय मर्चेंट ट्रॉफी 2026-27 में मुंबई के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए दिल्ली की 16 सदस्यीय पुरुष अंडर-16 टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबला 25 नवंबर 2026 से ग्वालियर में खेला जाएगा। जूनियर पुरुष चयन समिति ने 23 नवंबर को डीडीसीए परिसर में हुई बैठक में टीम को अंतिम रूप दिया। पार्थ डबास को टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि युविश सिंह उपकप्तान और विकेटकीपर की जिम्मेदारी संभालेंगे। रिवान वीर भयाना को भी टीम में विकेटकीपर के रूप में शामिल किया गया है। दिल्ली की टीम में पार्थ डबास (कप्तान), युविश सिंह (उपकप्तान एवं विकेटकीपर), सक्षम यादव, शिवांश सिंह, आरुष यादव, अर्णव शर्मा, रिवान वीर भयाना (विकेटकीपर), क्षितिज सेहरा, वेदांत गुप्ता, शौर्य चांदना, मनन माथुर, प्रणय शर्मा, अहान गर्ग, गीतांक लखेड़ा, यश माहेश्वरी और नैतिक सिंह को शामिल किया गया है। चयन समिति की बैठक में अध्यक्ष मयंक सिडाना, चयनकर्ता अभिषेक शर्मा और योगेश नागर, डीडीसीए की क्रिकेट सलाहकार समिति के सदस्य रॉबिन सिंह जूनियर, मुख्य कोच राजू शर्मा और सचिव अशोक शर्मा उपस्थित रहे।

सैंडपेपरगेट विवाद के बाद भी कप्तानी नहीं छोड़ेंगे कमिंस

सिडनी। सैंडपेपरगेट विवाद समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। आठ साल पुराने इस विवाद को लेकर वर्तमान ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने सफाई भी दी थी और कहा था कि उस्मान ख्वाजा के पूरी टीम के इसमें शामिल होने के आरोप गलत थे। वहीं अब कमिंस ने कहा है कि इस मामले के कारण उनका कप्तानी छोड़ने का कोई इरादा नहीं हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि मैदान पर टीम की कप्तानी करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और उन्होंने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के उस प्रस्तावित फोरम का भी पूरा समर्थन किया है जो 2018 के विवाद से जुड़े खिलाड़ियों और सहायोगी स्टाफ को अपनी बात रखने का अवसर देगा। अपनी कप्तानी और ईमानदारी पर उठ रहे सवालों के बीच ही कमिंस ने कहा कि वह फोरम की प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे। वहीं इस मामले में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष डेविड बून और मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग के साथ एक अहम बैठक के बाद कमिंस ने सीए द्वारा जारी बयान में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई कप्तान होने के नाते मुझे एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी मिली है जिसें में कभी हल्के में नहीं लिया है और न ही कभी लूंगा। कमिंस ने डेविड और टॉड की सराहना की कि उन्होंने उनसे और 2018 के कई खिलाड़ियों व स्टाफ सदस्यों से संपर्क किया। उन्होंने फोरम का शत-प्रतिशत समर्थन करते हुए कहा, मैं वहाँ मौजूद रहूँगा। जिन खिलाड़ियों और स्टाफ सदस्यों से मैंने बात की है, वे सभी वहाँ जाकर अपनी बात रखने के लिए बहुत उत्सुक हैं।



अध्यक्ष बना तो खिलाड़ियों की समस्याओं को पहली प्राथमिकता दी जाएगी : राजपाल

नई दिल्ली। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) के अध्यक्ष रोहित राजपाल अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के अध्यक्ष पद के लिए मैदान में उतरे है। राजपाल का कहना है कि वह टेनिस की भलाई के साथ ही प्रबंधन में खिलाड़ियों की भागीदारी तय करना चाहते हैं। एआईटीए के लिए चुनाव 27 नवंबर को होने हैं। राजपाल ने कहा कि अगर वह अध्यक्ष चुने जाते हैं तो खिलाड़ियों के रुख और उनकी समस्याओं को पहली प्राथमिकता दी जाएगी, जो अब तक उपेक्षित रही हैं। राजपाल के अनुसार महासंघ अब तक मुख्य रूप से खेल सुविधाओं के विकास और टूर्नामेंटों के आयोजन तक ही सीमित रहा है, जबकि खिलाड़ियों के विकास की जिम्मेदारी काफी हद तक निजी संस्थानों और व्यक्तिगत प्रयासों पर छोड़ दी गई है जबकि खिलाड़ियों का विकास एआईटीए की प्राथमिक जिम्मेदारियों का हिस्सा होना चाहिए। राजपाल के अनुसार केवल बड़ी संख्या में टूर्नामेंट आयोजित करना और टेनिस कोर्ट बनाना ही पर्याप्त नहीं है। खिलाड़ियों को भी पूरी व्यवस्था से जोड़ना जरुरी है। राजपाल का मानना है कि प्रतिभाओं को तराशने में पर्याप्त निवेश की कमी और खिलाड़ियों के विकास के लिए दीर्घकालिक व्यवस्था की कमी के कारण ही भारत कई एशियाई देशों से खेल में पीछे है। उन्होंने कहा कि महासंघ की कमान किसी पूर्व खिलाड़ी के हाथों में होने से खिलाड़ियों और प्रशासन के बीच संवाद का तरीका पूरी तरह से बदल सकता है। उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि दुर्भाग्य से, इस प्रतिष्ठित संस्था का नेतृत्व पहले कभी किसी खिलाड़ी ने नहीं किया, और उनका मानना है कि यही कारण है कि एआईटीए और खिलाड़ियों के बीच एक दूरी बनी रही है।

प्रो रेसलिंग लीग का छठा सत्र 3 से 19 जनवरी तक नई दिल्ली में, खिलाड़ियों की नीलामी 30 नवंबर को

नई दिल्ली

प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) का छठा सत्र 3 से 19 जनवरी 2027 तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। भारतीय कुश्ती महासंघ के तत्वावधान में होने वाली इस प्रतियोगिता के मुकाबले केडी जाधव कुश्ती हॉल में खेले जाएंगे। लीग ने मंगलवार को संशोधित कार्यक्रम की घोषणा के साथ बताया कि आगामी सत्र के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 30 नवंबर 2026 को मुंबई के ग्रैंड हयात होटल में होगी।

छठे सत्र में छह फ्रेंचाइजी खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। लीग में 86 शीर्ष पुरुष और महिला पहलवान हिस्सा लेंगी, जिनमें 34 अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता शामिल होंगे। इनमें ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के पदक विजेता पहलवान भी शामिल हैं।

लीग के कार्यक्रम में बदलाव संयुक्त विश्व कुश्ती के कैलेंडर में संशोधन के कारण किया गया है। आयोजकों के अनुसार, इससे प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय कुश्ती कार्यक्रम के अनुरूप रहेगी और भारत सहित दुनिया के शीर्ष पहलवानों को इसमें हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा।

आगामी सत्र के लिए होने वाली नीलामी में दुनिया के कई दिग्गज पहलवानों के शामिल होने की उम्मीद है। इसमें ओलंपिक पदक विजेता, विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता और भारत के प्रमुख पहलवान भी शामिल होंगे। सभी छह फ्रेंचाइजी अपनी टीमों को मजबूत बनाने के लिए उपलब्ध खिलाड़ियों पर बोली लगाएंगी।

नीलामी में लीग के पिछले रिकॉर्ड की भी चर्चा रहेगी। पिछली नीलामी में जापान की दिग्गज पहलवान युई सुसाकी सबसे महंगी खिलाड़ी बनी थीं। उन्हें 60 लाख रुपये की बोली के साथ खरीदा गया था। यह प्रो रेसलिंग लीग के इतिहास में किसी खिलाड़ी के लिए लगी सबसे बड़ी बोली थी।

भारतीय पहलवानों में अमन सहरावत, अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल सबसे ज्यादा मांग वाले खिलाड़ी रहे थे। इन तीनों को 50 लाख रुपये से अधिक की कीमत मिली थी। आगामी नीलामी में भी फ्रेंचाइजी की रणनीतिक खरीदारी और खिलाड़ियों पर लगने वाली बोलियों को लेकर काफी उत्साह रहने की उम्मीद है।

प्रो रेसलिंग लीग के अध्यक्ष दयान फारूकी ने कहा, 'प्रो रेसलिंग लीग ने हमेशा अपने कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय कुश्ती कैलेंडर के अनुरूप रखा है। संयुक्त विश्व कुश्ती के कैलेंडर में संशोधन के बाद हमने छठे सत्र को 3 से 19 जनवरी 2027 तक आयोजित करने का फैसला किया है। अब हम एक नए और रोमांचक अध्याय की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए खिलाड़ियों की नीलामी 30 नवंबर को होगी। इस नीलामी में दुनिया के कुछ बेहतरीन पहलवान हिस्सा लेंगे, जिनमें विश्वस्तरीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और भारत के शीर्ष सितारे शामिल हैं। इससे अत्यंत प्रतिस्पर्धी सत्र की नींव तैयार होगी। हमारा लक्ष्य ऐसी लीग तैयार करना है, जिसमें प्रतियोगिता का उच्चतम स्तर हो, पहलवानों को शानदार मंच मिले और प्रशंसकों को यादगार अनुभव हासिल हो। हम रोमांचक नीलामी और दिल्ली में शानदार छठे सत्र के आयोजन के लिए उत्साहित हैं।' प्रो रेसलिंग लीग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अखिल गुप्ता ने कहा, 'प्रो रेसलिंग लीग में हमारा ध्यान हमेशा विश्वस्तरीय कुश्ती मुकाबले कराने और प्रशंसकों को यादगार अनुभव देने पर रहा है। छठे सत्र में 34 अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं सहित 86 शीर्ष पहलवान हिस्सा लेंगे। हमें विश्वास है कि प्रशंसकों को एक ही मंच पर दुनिया के बेहतरीन पहलवानों के बीच मुकाबले देखने को मिलेंगे। शीर्ष अंतरराष्ट्रीय पहलवानों की भागीदारी प्रतियोगिता में नया रोमांच जोड़ेगी और भारत में पेशेवर कुश्ती के स्तर को और ऊंचा करेगी। हम रोमांचक मुकाबलों, कड़ी प्रतिद्वंद्विता और विश्वस्तरीय खेल प्रदर्शन से भरे सत्र के लिए प्रशंसकों का फिर से स्वागत करने को उत्सुक हैं।'

छठे सत्र में खिताब के लिए छह फ्रेंचाइजी प्रतिस्पर्धा करेंगी। इनमें मुंबई डंगल्स के टाइगर्स, हरियाणा थंडर्स, दिल्ली दंगल वॉरियर्स, महाराष्ट्र केसरी, पंजाब रॉयल्स और यूपी डॉमिनेटर्स शामिल हैं।

प्रतियोगिता में 86 पुरुष और महिला पहलवान हिस्सा लेंगे। इनमें 34 ओलंपियन तथा राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता शामिल होंगे। जापान की ओलंपिक चैंपियन युई सुसाकी सहित दुनिया के कई दिग्गज पहलवानों के इसमें हिस्सा लेने की उम्मीद है। भारत के प्रमुख पहलवान भी प्रतियोगिता में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

लीग में ओलंपिक की नौ भार श्रेणियों में मुकाबले होंगे। पुरुषों की स्पर्धाएं 57, 65, 74, 86 और 125 किलोग्राम भार वर्ग में होंगी। वहीं, महिलाओं के मुकाबले 53, 57, 62 और 76 किलोग्राम भार वर्ग में खेले जाएंगे।

लीग का मुकाबला प्रारूप पहले की तरह प्रसारण के अनुकूल रहेगा। प्रत्येक मुकाबले में तीन-तीन मिनट के दो राउंड होंगे। इसमें 'पावर मिनट' का नियम भी जारी रहेगा। इसके तहत मुकाबले के अंतिम 60 सेकंड में हासिल होने वाले सभी अंक दोगुने हो जाएंगे। इससे मुकाबलों के अंतिम क्षणों में रोमांच और बढ़ेगा। पांचवें सत्र का समापन रोमांचक फाइनल के साथ हुआ था, जिसमें गत चैंपियन हरियाणा थंडर्स ने दिल्ली दंगल वॉरियर्स को 5-4 से हराकर खिताब जीता था। अब छठे सत्र से भारत में प्रतिस्पर्धी कुश्ती के नए मानक स्थापित होने की उम्मीद है।

फिलीपींस की महिला टेनिस स्टार एलेक्जेंड्रा अबू धाबी ओपन में भाग लेंगी



मनीला

फिलीपींस की महिला टेनिस स्टार एलेक्जेंड्रा एला ने कहा है कि वह अगले साल की शुरुआत में होने वाले मुबाडाला अबू धाबी ओपन में भाग लेंगी। ये लगातार तीसरी बार होगा जब एलेक्जेंड्रा इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनेंगी। 21 साल की एला अभी विश्व में 15 वें नंबर की खिलाड़ी है।

वह डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने वाली फिलीपींस की पहली खिलाड़ी हैं। एल को इस बार टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। एला ने इससे पहले साल 2024 और 2026 में भी इस डब्ल्यूटीए 500 टूर्नामेंट में भाग लिया था। अब वह तीसरी बार इसमें उतरेंगी।

पिछले कुछ समय से एला ने टेनिस जगह में तेजी से अपना दबदबा बनाया है। वह विश्व के उभरते टेनिस खिलाड़ियों में शामिल हैं। साल 2025 में 140वें स्थान पर रहने के बाद, उन्होंने अपनी रैंकिंग में शानदार सुधार किया है और अब विश्व में 15 वें नंबर 15 पर पहुंच गई हैं।

इस खिलाड़ी के हाल के प्रदर्शन की बात करें तो, उन्होंने अगस्त की शुरुआत में वाशिंगटन में अपना पहला डब्ल्यूटीए टूर-लेवल सिंगल्स खिताब जीता, जो उनके करियर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। इसके अलावा, इसी साल विंबलडन में वह पहली बार चौथे राउंड तक पहुंची थीं।

इससे भी उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। इस खिलाड़ी ने कहा, मैं तीसरी बार मुबाडाला अबू धाबी ओपन के लिए अबू धाबी लौटने को लेकर बहुत उत्साहित हूं, खासकर इसलिए क्योंकि इस बार टूर्नामेंट की पांचवीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। उन्हें यूएई में रह रहे फिलीपीसी के प्रशंसकों का भी समर्थन मिलता है। उन्होंने इसी को लेकर कहा, यूएई में मौजूद फिलीपीनो समुदाय और प्रशंसकों का उत्साह यहां खेलने के अनुभव को और भी खास बना देता है।

एला ने इसी के साथ ही अपनी खेल क्षमता में लगातार सुधार पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, बतौर खिलाड़ी मैंने लगातार अपने को बेहतर बनाया है और मैं इस अनुभव को इस साल अबू धाबी में फिर से आजमाने के लिए उत्साहित हूं। एला का उम्मीद है कि उनकी जीत का सिलसिला मुबाडाला डीसी ओपन में भी जारी रहेगा।

आईटीएफ टेनिसः करण सिंह सहित पांच भारतीय दूसरे दौर में



भोपाल। अरेरा क्लब में खेली जा रही 30 हजार अमेरिकी डॉलर इनामी राशि की आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर प्रतियोगिता में मंगलवार को शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी करण सिंह ने पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। उनके अलावा रूस के माकर क्रिवोशेकोव और निकिता यानिन तथा भारत के आर्यन लक्ष्मणन और माधविन कामथ ने भी अगले दौर में जगह बनाई।

युगल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के एड्रियन आर्कन और भारत के आदित्य बालसेकर ने कड़े संघर्ष में कजाखस्तान के ग्रिगोरी लोमाकिन और स्वीडन के विलियम रेज्टमैन को 7-6, 6-7, 10-7 से पराजित किया।

शीर्ष वरीयता प्राप्त आदिल कल्याणपुर और ससीकुमार मुकुंद की जोड़ी के अलावा देव जाविया और चिराग दुहन तथा मान केशरवानी और मनीष सुरेशकुमार की जोड़ियों ने भी जीत दर्ज कर युगल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। बुधवार को एकल के दस और युगल के दो मुकाबले खेले जाएंगे।

ठाकुर हुकुम सिंह स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिताः स्पार्टन्स सुपर हिटर्स और मास्टर्स इलेवन ने दर्ज की जीत



भोपाल। स्वर्गीय ठाकुर हुकुम सिंह स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में मंगलवार को तीन मुकाबले खेले गए। पहले मैच में स्पार्टन्स इलेवन ने स्पोर्ट्स एज भोपाल को पांच विकेट से हराया। दूसरे मुकाबले में सुपर हिटर्स ने फ्रेंड्स 11 को 10 विकेट से शिकस्त दी, जबकि तीसरे मैच में मास्टर्स इलेवन ने सिल्वर लाइन वॉरियर्स को 41 रन से पराजित किया।

अनुराग उइके की पारी से स्पार्टन्स की जीतः पहले मुकाबले में स्पोर्ट्स एज भोपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19 ओवर में 138 रन बनाए। मंजीत ने 43 रन की पारी खेली। स्पार्टन्स की ओर से प्रकाश ने तीन और आयुष पटेल व हर्ष अग्रवाल ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए स्पार्टन्स ने 14.2 ओवर में पांच विकेट पर 143 रन बनाकर जीत हासिल की। कप्तान अनुराग उइके ने 43 गेंदों पर 73 रन बनाए, जबकि हिमांशु तिवारी ने नाबाद 28 रन का योगदान दिया।

सुपर हिटर्स ने 10 विकेट से जीता मैचः दूसरे मुकाबले में फ्रेंड्स 11 ने छह विकेट पर 109 रन बनाए। मिथिलेश पवार ने 39 रन बनाए। सुपर हिटर्स के सुशील पटेल ने तीन और मयंक रिछारिया ने दो विकेट लिए। जवाब में सौरभ यादव और अंकित सिंह ने नाबाद अर्धशतक लगाकर 11 ओवर में बिना विकेट गंवाए 112 रन बनाते हुए टीम को जीत दिलाई।

महेश सिंह का शतक, मास्टर्स इलेवन विजयीः तीसरे मैच में मास्टर्स इलेवन ने चार विकेट पर 202 रन बनाए। महेश सिंह ने 59 गेंदों पर नाबाद 117 रन और अमित किशोर अग्रवाल ने 42 रन बनाए। जवाब में सिल्वर लाइन वॉरियर्स नौ विकेट पर 161 रन ही बना सकी। फैसल कुरैशी ने 83 रन बनाए। रविंद्र सिंह ने तीन और अजय यादव ने तीन विकेट लेकर मास्टर्स की जीत सुनिश्चित की। मैच से पहले पूर्व खेल संचालक मैनिट डॉ. राजेश मिश्रा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस ने मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़ने की अटकलों को गलत बताया

पैसा नहीं क्लब की सफलता मेरे लिए ज्यादा जरुरी

लंदन

मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस के क्लब में बने रहने को लेकर संशय बना हुआ है। इसका कारण ये है कि ब्रूनो का करार इस साल के अंत में समाप्त होने वाला है और उन्होंने अभी तक इसे नहीं बढ़ाया है। इस फुटबॉलर को क्लब ने अब तक दो बार प्रस्ताव भेजे पर उससे उन्हें खारिज कर दिया। पुर्तगाल के ब्रूनो ने माना है कि अभी क्लब के साथ उनकी करार को लेकर कोई बातचीत नहीं चल रही है। उन्होंने साथ ही कहा कि इसका मतलब ये नहीं कि वह क्लब छोड़ रहे है। साथ ही कहा कि उनके लिए पैसा नहीं, बल्कि मैनचेस्टर यूनाइटेड की सफलता सबसे ज्यादा महत्व रखती है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, क्लब ने पहली बार पिछली गर्मियों में फर्नांडिस के साथ नए करार पर चर्चा शुरू की थी, लेकिन पुर्तगाल के इस मिडफील्डर ने उस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। इसके बाद क्लब की ओर से एक और प्रस्ताव दिया गया, जिसे भी उन्होंने ठुकरा दिया। फर्नांडिस ने अपना पिछला करार अगस्त 2024 में किया था। यूनाइटेड के पास इस खिलाड़ी का करार एक साल और बढ़ाने का विकल्प मौजूद है। इस विकल्प का इस्तेमाल करने पर फर्नांडिस अगले साल तक ओल्ड ट्रैफर्ड में बने रहेंगे, जिससे जनवरी में विदेशी क्लबों के साथ उनके संभावित फ्री ट्रांसफर को लेकर बातचीत करने का रास्ता भी बंद हो सकता है।

वहीं फर्नांडिस ने माना है कि क्लब ने उन्हें नया करार देने का प्रस्ताव जरूर दिया है, लेकिन अभी कोई बातचीत आगे नहीं बढ़ रही है। उन्होंने उन खबरों को भी गलत बताया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि उन्होंने ज्यादा वेतन या लंबे करार की मांग की है। फर्नांडिस के मुताबिक,



अगर उनका लक्ष्य सिर्फ ज्यादा पैसा कमाना होता तो उनके पास दूसरे क्लबों से बेहतर आर्थिक प्रस्ताव स्वीकार करने का विकल्प हमेशा मौजूद था। उन्होंने कहा कि पिछले दो-तीन सालों में कई बार उनके पास मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़ने का मौका आया, लेकिन हर बार उन्होंने क्लब में बने रहने का फैसला किया। फर्नांडिस ने साफ किया कि वह सिर्फ अपना करार पूरा करने के लिए टीम में नहीं रहना चाहते। अगर क्लब को लगता है कि अब उनके अलग होने का समय आ गया है तो वह बिना किसी परेशानी के जाने को तैयार रहेंगे। उनके अनुसार, उन्होंने हमेशा क्लब के हित और यहां जीत हासिल करने को प्राथमिकता दी है।फर्नांडिस ने कोच मौरिसियो पोचेटिनो को एक सकारात्मक सोच वाला, ऊर्जावान और अनुशासन पसंद करने वाला व्यक्ति बताया। उन्होंने बताया कि 2019 में जब पोचेटिनो टॉटेनहम हॉटस्पर के कोच थे, तब वह टीम से जुड़ने के काफी करीब पहुंच गए थे। उस समय हैरी केन, डेले अली और हीयूंग-मिन सोन जैसे खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका उन्हें आकर्षित कर रहा था, और वह प्रीमियर लीग में खेलने के लिए उत्सुक थे।